भजन

तर्ज– तुम मेरी आशिकी हो

तुम मेरी बंदगी हो,तुम मेरी आशिकी हो
तुम्हीं प्यार तुम्हीं चाहत,तुम्हीं आरजू हो

1– हर दर्द दिल का मेरे,दिल से सदा दे
कोई नहीं संगी साथी,बस इक पिया के
तुम्हीं मेरी पहली आरजू,तुम्हीं आखिरी हो

2– इश्के जुबां है तेरी,इश्के जमीर है
इश्क की सृष्टि है,और इश्क की ष्टि है
इश्क सिखाया तुमने,तुम्हीं मेहरबां हो

3– अरस परस अन्तर मांहें,इश्क ही इश्क है
इश्क आहार रूहों का,इश्क व्यवहार है
तुम्हीं मेरे प्रीतम साहेब,तुम्हीं रहनुमा हो

4– सपने में अखंड सुख दे,दर्द लिए हैं
इश्क निभाया तुमने,तुम्हारी वफा है
नासूती तन अपनाये,तुम्हीं निगेहबां हो